पंजीकृत क्रमांक : S-385/1949-50

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद

केंद्रीय कार्यालय : 3, मार्बल आर्च, सेनापति बापट मार्ग, माटुंगा रोड (प.रे.), माहिम, मुंबई - 400016

+91 22 24306321/24378866 24313938 abvpkendra@gmail.com www.abvp.org

दि. 26 नवम्बर 2024

-:प्रेस विज्ञप्ति:-

अभाविप का 70वां राष्ट्रीय अधिवेशन गोरखपुर में संपन्न

शिक्षा की गुणवत्ता, शैक्षणिक शुल्क वृद्धि ,खाद्यान्न मिलावट, मणिपुर हिंसा सहित 5 विषयों पर पारित हुए प्रस्ताव

वर्ष 2023-24 में अभाविप ने बनाये 55,12,470 नए सदस्य

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) का 70वां राष्ट्रीय अधिवेशन दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में 22, 23 व 24 नवम्बर को आयोजित किया गया। अभाविप का 70वां राष्ट्रीय अधिवेशन कई ऐतिहासिक अनुभवों का गवाह बना जिसमें लघु भारत, अनेकता में एकता, तथा विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक विरासत के दर्शन करने के अवसर मिले।

अभाविप द्वारा महेश्वर से पुण्यश्लोका अहिल्याबाई होलकर के त्रिशताब्दी वर्ष पर निकाली गई मानवंदना यात्रा प्रयागराज, अयोध्या से होते हुए अधिवेशन स्थल पर पहुंची। यात्रा के माध्यम से लोकमाता द्वारा भारतीय सांस्कृतिक विशिष्टता के पुनरुत्थान हेतु किए गए प्रयासों को जनसामान्य तक पहुंचाया गया, 21 नवंबर को गोरखपुर पहुंची इस यात्रा का स्वागत अभाविप के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. राजशरण शाही व तत्कालीन राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल द्वारा किया गया।

अभाविप के 70वें राष्ट्रीय अधिवेशन में महंत अवैद्यनाथ को समर्पित 'महंत अवैद्यनाथ मंडप' प्रदर्शनी का उद्घाटन 21 दिसम्बर को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव श्री चंपत राय ने किया। महंत अवैद्यनाथ को समर्पित प्रदर्शनी में गोरखपुर का वास्तविक इतिहास, स्वाधीनता आंदोलन की गौरवगाथा, विश्वगुरु भारत, विद्यार्थी परिषद का 75 वर्षों का इतिहास, विविध क्षेत्रों में अभाविप के आयामों के कार्य, राष्ट्रीय एकात्मता, पर्यावरण आदि की गतिविधियों को केंद्रित किया गया।

अभाविप के महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल ने वर्षभर में विद्यार्थी परिषद द्वारा पूरे देशभर में किये गये क्रियाकलापों पर आधारित महामंत्री प्रतिवेदन देशभर से सम्मिलित छात्रों के सम्मुख रखा। जिसमें देशभर में हुए अभाविप के कार्यक्रम, गतिविधियाँ, आंदोलन तथा 55,12,470 सदस्यता कर विश्व में सबसे बड़े छात्र संगठन के रूप में स्थापित होने का कीर्तिमान पुनः एक बार अभाविप ने प्राप्त किया है, यह जानकारी रखी।

अभाविप के 70वें राष्ट्रीय अधिवेशन में सत्र 2024-25 हेतु पुनः निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजशरण शाही और नवनिर्वाचित राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी को चुनाव अधिकारी डॉ. प्रशांत साठे ने पदभार ग्रहण कराया गया।

अभाविप के 70वें राष्ट्रीय अधिवेशन का उद्घाटन 22 नवम्बर को जोहो कोर्पोरेशन के सीईओ श्री श्रीधर वेम्भू द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह में छात्रों को संबोधित करते हुए श्री श्रीधर वेम्बू ने स्वावलंबन, उद्यमशीलता, रोजगार, युवाओं को भविष्य के दिशासूत्र, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) आदि विषयों का प्रमुखता से उल्लेख किया।

अभाविप व विद्यार्थी निधि न्यास के संयुक्त उपक्रम प्रा. यशवंतराव केलकर युवा पुरस्कार वर्ष 2024 हेतु 'श्रवण दिव्यांगजनों में कौशल विकास व शिक्षा के माध्यम से जीवन उद्देश्य और उत्साह उत्पन्न करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने हेतु' महाराष्ट्र के ठाणे के श्री दीपेश नायर को ₹ 1,00,000/- की राशि, प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री महंत योगी आदित्यनाथ द्वारा सम्मानित किया गया।

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में आयोजित अभाविप के 70वें राष्ट्रीय अधिवेशन में कुल 5 प्रस्ताव पारित किये गये, जिनमें शिक्षा की गुणवत्ता, खाद्यान्न मिलावट, मणिपुर हिंसा जैसे गंभीर सामाजिक विषयों पर अधिवेशन में प्रस्ताव पारित किए गए।

अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि अभाविप का 70वां राष्ट्रीय अधिवेशन भारत के गौरवशाली इतिहास की याद दिलाता है। अभाविप देश में हुए सकारात्मक परिवर्तन का परिचायक रहा है। अभाविप विचारों की प्रतिबद्धता और चरित्रवान विद्यार्थी निर्माण का कार्य करने वाला विश्व का सबसे विराट छात्र संगठन है जो अपने स्थापना के 76वर्ष बाद भी मजबूती से विस्तृत हो रहा है। अभाविप की घोषित यात्रा 'ध्येय यात्रा' है, किंतु हमारा उद्देश्य है सभी को साथ लेकर चलना और यही हमारी पारस्परिकता है। राष्ट्र हित के लिए जो भी निर्णय होगा वह सभी मिल कर करेंगे।

अभाविप के राष्ट्रीय मंत्री अंकित शुक्ल ने कहा कि देशभर के शैक्षणिक संस्थानों में संस्कार और मूल्यों से परिपूर्ण गुणवत्तायुक्त शिक्षा की बात विद्यार्थी परिषद करती है। देश एक सुखद दौर से गुजर रहा है भारत रोजगार प्रदान करने का देश बन रहा है, भारत ने आपदा को अवसर में बदलकर विश्व के सामने एक आदर्श प्रस्तुत की है। यह दौर अब भारत का है, यह भारत हमारा है भारत के प्रश्नों का उत्तर हमें ढूंढना है।

(यह प्रेस विज्ञप्ति केन्द्रीय कार्यालय मंत्री श्री सौरभ पाण्डेय द्वारा जारी की गई है।)